RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार, 11 मार्च 2023 वर्ष 04 अंक 279 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ओला और उबर ने महाराष्ट्र में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए किया आवेदन

ग्राहकों को मिलेगा बड़ा फायदा

मुंबई : एप बेस टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनियों में शामिल ओला और उबर ने महाराष्ट्र में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया है। आरटीओ से मिली जानकारी के मुताबिक कुछ दिनों में लाइसेंस पर फैसला हो जाएगा।

लाइसेंस के लिए किया आवेदन

राइड-हेलिंग सर्विस प्रोवाइडर ओला और उबर ने एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए महाराष्ट्र सरकार के पास आवेदन किया है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। केंद्र और महाराष्ट्र सरकार द्वारा लाए गए दिशानिदेर्शों ऐप-आधारित कंपनियों को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अनिवार्य करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे निर्देश

मौजूदा समय में, सरकार इन ऑपरेटरों द्वारा उल्लंघन के मामले में प्रभावी ढंग से कार्रवाई नहीं कर सकती है लेकिन लाइसेंस से स्थिति को बदला जा सकता है। संबोंधित आरटीओ के अधिकारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश पर कार्रवाई करते हुए, राइड-हेलिंग सेवा फर्मों ने मुंबई के तारदेव आरटीओ में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन किया है।

आवेदनों की जांच जारी

तारदेव आरटीओ के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भरत कालस्कर ने पीटीआई को बताया कि उन्हें तीन-चार दिन पहले एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए ओला और उबर से आवेदन मिले थे। उन्होंने कहा कि आवेदनों की जांच की जा रही है और बाद में लाइसेंस देने के बारे में आखिरी फैसले के लिए मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (एमएमआरटीए) को प्रस्तुत किया जाएगा।

एनसीपी नेता अजित पवार का दावा

महाराष्ट्र में हर रोज आठ किसान कर रहे आत्महत्या

सरकार असंवेदनशील...

विधानसभा में किसानों के मुद्दे पर बहस छेड़ते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में हर रोज आठ किसान आत्महत्या कर रहे हैं. उन्होंने कहा, 'एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति असंवेदनशील है. सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण किसानों का मनोबल गिर गया है.' एनसीपी नेता ने दावा किया कि राज्य में हर रोज आठ किसान आत्महत्या कर रहे हैं.

आत्महत्या

मुंबईः शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा में एक बार फिर से किसानों का मुद्दा गरमाया. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है.

'किसानों का बिजली बिल हो माफ'

पवार ने कहा कि राज्य के किसान फसल की कम उपज, और बेमौसम बारिश के कारण फसल के नुकसान जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं. बाजार में कम दाम के कारण कभी-कभी उन्हें अपनी फसल को फेंकने पर मजबूर होना पड़ता है. उन्होंने आरोप लगाया कि बिल न भर पाने के कारण ट्यूबवेलों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि कि चूंकि किसान महंगाई की मार झेल रहे हैं इसलिए उनके बिजली के बिल मांफ किये जाने चाहिए. एनसीपी नेता ने जोर देकर कहा कि यदि किसान दुखी रहेगा तो देश और महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था का विकास नहीं हो सकेगा.

'बैंक नहीं दे रहे किसानों को लोन'

पवार ने कहा कि इसके अलावा किसानों को कृषि ऋण लेने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंक उन्हें लोन नहीं दे रहे हैं इसलिए उन्हें साहूकारों के पास जाना पड़ता है. ऐसे में जब वे लोन नहीं चुका पाते हैं तो वे करने को मजबूर हो जाते हैं. पवार ने दावा किया कि जब बेमौसम बारिश से किसानों को नुकसान होता है तो बीमा कंपनिया उन्हें फसल बीमा का भुगतान नहीं करती हैं. एनसीपी नेता ने कहा कि उर्वरक की बढ़ती कीमतों के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, उन्होंने कहा कि जब तक उर्वरक की कीमतों को नियंत्रण में नहीं लाया जाएगा, तब तक किसानों को कोई लाभ नहीं मिलेगा.

छात्राओं को 1 रुपये में मिलेगा सेनेटरी नैपकिन का पैकेट?

मंत्री बोले- कीमत तय करने पर हो रहा विचार

महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि महाराष्ट्र सरकार एक महीने के भीतर सेनेटरी नैपकिन प्रदान करेगी, जो स्व-सहायता समूहों से स्कूल की लड़कियों और महिलाओं को सब्सिडी की गई दर प्रदान की जाएगी. भारतीय जनता पार्टी के विधायक नमिता मुंदडा को प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार सभी पढ़ने वाली छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन की एक पैकेट की कीमत 1 रुपये तय करने पर विचार कर रही है. मुंदडा ने कहा कि अस्मिता योजना के तहत ग्रामीण महिला छात्राओं को 5 रुपये में 8 सैनेटरी पैड का एक पैकेट प्रदान किया जाता था जो 2022 में बंद कर दिया गया था. उन्होंने आग्रह किया कि सरकार को इसे फिर से शुरू करना चाहिए.

महाराष्ट्र के पालघर में बेटे ने की मां की हत्या

एक कपड़े से घोंट दिया गला...

पालघरः महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक बेटे ने अपनी मां की हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि घटना से पहले मां-बेटे के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी. ये नोकझोंक इतनी बढ़ गई कि बेटे ने गुस्से में मां का गला एक कपड़े से दबा दिया. हालांकि, ये अभी तक साफ नहीं हो पाया है कि मां-बेटे के बीच किस बात को लेकर बहस हुई थी. पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है.

एक कपड़े से घोंट दिया मां का गला...

एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार से एक 26 वर्षीय व्यक्ति को अपनी मां की गला दबाकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. गुरुवार को घटना के तुरंत बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारी ने कहा कि 44 वर्षीय पीड़िता वैशाली धनु अपने बेटे के साथ विरार के फूलपाड़ा इलाके में गांधी नगर कॉलोनी में रहती थी. कुछ दिन पहले, एक शादी समारोह में मां-बेटे की किसी बात पर तीखी नोकझोंक हुई थी. गुरुवार को जब वे फिर से झगड़ने लगे, तो आरोपी ने गुस्से में एक लंबा कपड़ा लिया और अपनी मां का गला घोंट दिया।

आरोपी बेटा गिरफ्तार

कुछ देर बाद महिला की मां उनके घर पहुंची, तो देखा कि वह बिस्तर पर बेसुध पड़ी है. उन्होंने कहा कि इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. अधिकारी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 40 वर्षीय व्यक्ति को अपनी पत्न ी को आग के हवाले करके जान से मारने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया.

मुंबई फिल्म सिटी में बड़ा हादसा!

मशहूर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के सेट पर भीषण आग,

मुंबई : मुंबई फिल्म सिटी में गुम है किसी के प्यार में के सेट पर आग लग गई है. बताया जा रहा है कि आग की वजह से कुछ कलाकार फंसे हुए हैं. नील भट्ट और आयशा सिंह स्टारर 'गुम है किसी के प्यार में' घर-घर में देखा जाता है। आज के समय में यह सीरियल 'अनुपमा' के बाद लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। टीआरपी लिस्ट में रूपाली गांगुली अभिनीत शो को कड़ टक्कर देने वाला यह शो आए दिन चचाओं में बना रहता है। कभी लगातार शो के ट्रैक में आते ट्विस्ट एंड टर्न्स के कारण तो कभी अपने स्टार्स की निजी जिंदगी की वजह से यह सुर्खियां बटोरता है। लेकिन, आज स्टार प्लस का मशहूर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' किसी और कारण से चर्चा में है। दरअसल, नील भट्ट, आयशा सिंह और ऐश्वर्या शर्मा स्टारर इस शो के सेट पर भीषण आग लग गई है।

सेट पर लगी आग

बीते काफी समय से स्टार्स और कहानी को लेकर सोशल मीडिया पर नेटिजन्स के निशाने पर बने हुए इस शो को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, मुंबई फिल्मसिटी में धारावाहिक 'गुम है किसी के प्यार' के सेट पर भीषण आग लग गई है। गोरेगांव पूर्व स्थित फिल्मसिटी से मिल रही जानकारी के अनुसार इस सेट पर लगी आग आसपास के कई और सेट्स पर फैलती जा रही है। अब तक आग की 'तेरी मेरी दूरियां' और 'अजूनी' धारावाहिक के सेटों तक पहुंच चुकी हैं। तीनों धारावाहिकों के सेटों पर करीब हजार लोग घटना के वक्त काम कर रहे थे।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चुनाव आयुक्तों का चयन

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय पैनल बनाने की जो व्यवस्था दी, उससे वस्तुत: एक तरह का कलेजियम बनेगा, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष अथवा लोकसभा में सबसे बड़े दल के नेता के साथ तीसरे सदस्य के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश होंगे। इस फैसले के बाद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उसी तरह होगी, जैसे सीबीआइ निदेशक की होती है। पिछले कुछ समय से सीबीआइ निदेशक का चयन तीन सदस्यीय पैनल के माध्यम से हो रहा है। क्या यह कहा जा सकता है कि इससे सीबीआइ की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने बंद हो गए हैं?

हैरत नहीं कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की नई व्यवस्था बनने के बाद भी उनकी निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने का सिलसिला कायम रहे। जो भी हो, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की व्याख्या इस रूप में होना स्वाभाविक है कि उसने कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देने का काम किया है। इसका कारण संविधान में यह दर्ज होना है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति की ओर से की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार उसके द्वारा तय की गई व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक संसद कोई कानून नहीं बनाती। पता नहीं संसद सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुरूप ही कानून बनाएगी या फिर उसमें कुछ हेरफेर करेगी, लेकिन यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की जैसी व्यवस्था आवश्यक समझी गई, वैसी उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में क्यों नहीं समझी जा रही है?

आखिर जिस तरह का पैनल चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए बनाने का आदेश दिया गया, वैसा ही न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए? यह ठीक नहीं कि जो सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कार्यपालिका से पारदर्शिता की अपेक्षा करे, वह न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में इस अपेक्षा पर खरा न उतरे। इसका क्या अर्थ कि न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करें? न्याय और नीति यही कहती है कि लोकतंत्र में व्यवस्था का कोई एक अंग जैसी नसीहत दूसरे अंगों को दे, वैसी पर खुद भी अमल करे।

चुनाव आयोग की समस्या यह नहीं है कि उसके आयुक्तों की नियुक्ति किसी पैनल अथवा कलेजियम से नहीं होती। उसकी समस्या यह है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए उसे जैसे अधिकार चाहिए, वैसे उसके पास नहीं हैं। चुनाव आयोग जैसे चुनाव सुधार चाह रहा है, वैसे राजनीतिक दलों को रास नहीं आ रहे हैं। इसमें संदेह है कि सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला चुनाव सुधारों को आगे बढ़ाने का काम करेगा। अच्छा होता कि सुप्रीम कोर्ट इसकी भी चिंता करता कि चुनाव आयोग आवश्यक अधिकारों से लैस हो, ताकि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों को लेकर कोई संदेह न रहे और राजनीतिक दल उसे बेवजह निशाना बनाने से बाज आएं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र के बजट पर बोले आदित्य ठाकरे-

'जो आश्वासन दे रहे हैं, वो गद्दार हैं'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने गुरुवार को राज्य का बजट पेश किया। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव बालासाहेब ठाकरे शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि 'जो लोग बजट में आश्वासन दे रहे हैं, वो गद्दार हैं। ऐसे में उनकी बात पर विश्वास कैसे किया जा सकता है।' आदित्य ठाकरे ने कहा कि 'बजट में सभी को आश्वासन दिया गया है लेकिन सवाल ये है कि इनमें से कितने पूरे होंगे। जो लोग आज आश्वासन दे रहे हैं, वो गद्दार हैं। ऐसे में उन पर विश्वास कैसे किया जा सकता है!' आदित्य ठाकरे ने कहा कि 2015-19 में भी सरकार ने वादे किए थे लेकिन उनमें से कितने पूरे हुए? बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने वित्तीय वर्ष

2023-24 के लिए बजट पेश किया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस बजट को ऐतिहासिक और समावेशी करार दिया। उन्होंने कहा कि इस बजट में छात्रों, बुजुर्गों, महिलाओं सभी के लिए कुछ ना कुछ है। राज्य के वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को विधानसभा में बजट पेश किया।

महाराष्ट्र सरकार ने बजट में बालासाहेब अपला अस्पताल के जरिए लोगों के मुफ्त इलाज और मेडिकल चेकअप की सुविधा देने की बात कही है। मुख्यमंत्री शिंदे ने बताया कि बजट में पुराने मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ ही महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के तहत राशि को बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया है। मुंबई के विकास के लिए 1729 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में सभी के लिए कुछ है। ऐसे में विपक्ष के पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है। बजट में शिंदे सरकार ने राज्य के 1.15 करोड़ किसानों को सालाना छह हजार रुपए की आर्थिक मदद देने की योजना का भी एलान किया। इसके लिए सरकार ने बजट में 6900 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। राज्य के 14 जिलों में किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले सबसे ज्यादा है, बजट में सरकार ने उन जिलों के किसानों को 1800 रुपए सालाना की आर्थिक मदद के साथ ही मुफ्त राशन की सुविधा भी दी है। नासिक, ठाणे और पींपरी चिंचवाड़ इलाके में मेट्रो के काम के लिए 39 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

मुंबई की भवानी नगर इलाके में सड़कों पर घूमता दिखा खूंखार तेंदुआ...

ठाणे : इन दिनों कई जगहों पर खूंखार जंगली जानवरों को शहरी इलाकों या फिर इंसानी बस्ती में घुसकर उत्पात मचाते देखा जाता है. आए दिन सोशल मीडिया पर भी इस तरह के वीडियो वायरल होते रहते हैं. ताजा वीडियो मुंबई में मरोल की सड़कों का है. यहां भवानी नगर इलाके में रात के समय तेंदुए को रिहायशी सोसाइटी के पास टहलते देखा जा रहा है. इसके पास में ही एक स्कूल भी है. हाल ही में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ-स्टारर के मेकअप आर्टिस्ट पर मुंबई के फिल्मसिटी में एक तेंदुए ने हमला कर दिया था. जब वह बड़े मियां छोटे मियां के सेट पर काम कर

रहे थे. इसके कुछ ही दिनों बाद अब इस तरह के एक और वीडियो को देख लोगों के मन में घर बैठ गया है.

खाने की तलाश में इंसानी बस्ती का रुख कर रहे जानवर

दरअसल, जंगलों में जानवरों की हो रही कमी के कारण तेंदुए इंसानी बस्ती के आस-पास खाने की तलाश में दिखाई देते हैं. वह आवारा घूमने वाले कुत्तों के साथ ही पालतू जानवरों के शिकार की फिराक में रहते हैं. तेंदुए एक ऐसा जानवर है जो ज्यादातर रात में शिकार करता है और आसानी से लोगों की नजर में भी नहीं आता है. स्थानीय लोगों ने वन विभाग से इस क्षेत्र का दौरा कर तेंदुएं को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है. दीपक ज्योति डैफोडिल्स सीएचएस के बाहर तेंदुआ देखा गया. दरअसल, वन अधिकारियों ने तेंदुए की गतिविधियों को पकड़ने और उसे सुरक्षित रूप से बचाने के लिए सोसायटी के पास कई जगहों पर पहले से ट्रैक कैमरे लगाए हैं.

दुकान में लगी भीषण आग, 30 परिवारों को इमारत से निकाला गया सुरक्षित

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक पांच मंजिला इमारत में शुक्रवारक की सुबह आग लग गई। इस दौरान इस इमारत में रहने वाले कम से कम 30 परिवारों के सदस्यों को दुकान में आग लगने के बाद बाहर निकाला गया। एक निकाय अधिकारी ने इस घटना की सूचना दी है। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने कहा कि मुंब्रा इलाके में पांच मंजिला इमारत के भूतल पर स्थित एक किराने की दुकान में सुबह करीब 9 बजे भीषण आग लग गई।

बदमाश से भिड़ गई 10 साल की बच्ची, दादी की बचाई जान

पुणे : चेन स्नैचिंग की घटनाएं हमें आमतौर पर सुनने को मिलती हैं. ऐसी ही एक घटना महाराष्ट्र के पुणे शहर से देखने को मिली है. हालांकि, चेन स्नैच करने आया शख्स खुद बुजुर्ग महिला और 10 साल की बच्ची से पिट-पिटाकर भाग गया. चेन स्नैच का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. घटना पुणे के शिवाजीनगर के मॉडल कॉलोनी की है जहां बुधवार रात करीब 8 बजे एक बुजुर्ग महिला अपनी 2 पोतियों के साथ घर लौट रही थी.

पता पूछने के बहाने चेन स्नैच की कोशिश

इसी दौरान स्कूटी पर सवार एक शख्स बुजुर्ग महिला के पास रुकता है और कहीं का पता पूछने लगता है. जैसे ही बुजुर्ग स्कूटी सवार के करीब जाती है वैसे ही शख्स महिला के गले पर झप्पटा मारकर चेन खींचने का प्रयास करता है.

बुजुर्ग और 10 साल की बच्ची ने की आरोपी की धुनाई

बुजुर्ग महिला इसी बीच आरोपी शख्स का हाथ पकड़ लेती है और उसे मारने लगती है. वहीं, बुजुर्ग महिला के साथ खड़ी 10 साल की बच्ची भी आरोपी पर तूट पड़ती है और हाथ में लिए बैग से मारने लगती है. वहीं, आरोपी शख्स खुद को घिरता देख मौके से फरार हो गया. सोशल मीडिया पर घटना की वीडियो वायरल होने के बाद अब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच में जुट गई है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 11 मार्च 2023

ठगी की कोशिश, पुलिस ने मुर्दा आरोपी को जिंदा गिरफ्तार

मुंबई : ठगी की कोशिश करने के आरोप में शिवाजी पार्क पुलिस ने मुर्दा आरोपी को जिंदा गिरफ्तार किया है। उसके साथ ही दो अन्य साथीदारों को भी गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपियों ने मिलकर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) से करोड़ों रुपए ठगने के लिए जिंदा आदमी को मरा हुआ बताया था। इतना ही नहीं, जिंदा आदमी को मरा बताकर दो करोड़ का क्लेम भी कर दिया था लेकिन समय से पहले पुलिस ने उनकी चाल का पदार्फाश कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी मनोज पाटील ने बताया कि २१ फरवरी को एलआईसी के अधिकारी ओमप्रकाश साहू की शिकायत के आधार पर अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों में से एक ने २१ अप्रैल, २०१५ को एलआईसी की २ करोड़ रुपए की पॉलिसी खरीदी थी।

१ अप्रैल से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर सफर करना महंगा हो जाएगा

मुंबई : महंगे एलपीजी सिलेंडर के बाद केंद्र सरकार अब आम लोगों को महंगाई का एक और झटका देने की तैयारी में है। इस बार लोगों को सड़कों पर गाड़ी चलाने के लिए अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। दरअसल, १ अप्रैल से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर सफर करना महंगा हो जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) इस संबंध में टोल प्लाजा के मौजूदा दर में वृद्धि करने का प्रस्ताव केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को भेजने की तैयारी कर रहा है। नेशनल हाइवे से जुड़े २००८ के नियम के तहत एनएचएआई की इस सिफारिश को स्वीकार करना तय माना जा रहा है।

अगर सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस सिफारिश को मान लेता है तो अगले महीने की १ तारीख से देश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर बढ़ी हुई नई दर लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, एनएचएआई ने प्रति ट्रिप हलके वाहनों के लिए वर्तमान दरों में ५ प्रतिशत, जबकि भारी वाहनों (ट्रक/बस) के लिए १० प्रतिशत वृद्धि करने का प्रस्ताव दिया है। इनके अलावा टोल प्लाजा के २० किमी के दायरे में रहनेवाले लोगों को मिलनेवाले मासिक रियायती पास पर भी १० प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है। सस्ते और मासिक टोल पास से लाभान्वित होनेवाले किसानों को भी अब टोल की बढ़ी हुई कीमत चुकानी पड़ेगी। इस वक्त देश में कुल ८१५ टोल प्लाजा हैं, जिनमें ३२३ ऐसे हैं जहां फास्टैग के जरिए टोल वसूला जाता है। टोल प्लाजा पर गाड़ियों से शुल्क लेने के लिए साल २००८ में एक नियम बनाया गया था। जिसके मुताबिक, हल्की मोटर गाड़ियों से ६५ पैसे प्रति किलोमीटर और भारी वाहनों के लिए २ रुपए २० पैसे प्रति किलोमीटर टोल निर्धारित किया गया था। हालांकि, हर साल इन दरों को रिवाइज किया जाता है। वर्ष २००८ के मुकाबले २०२२-२३ यानी मौजूदा समय में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सिर्फ हल्के वाहनों पर ही प्रति किमी २ रुपए १९ पैसे के दर से टोल लिया जा रहा है, जबकि १ अप्रैल से लागू होनेवाली नई दर के मुताबिक, ये शुल्क अब कार, जीप या हल्की मोटर गाड़ियां चलाने वालों के लिए और बढ़ जाएगा। कमर्शियल और भारी वाहनों को भी टोल प्लाजा पर ज्यादा जेब खाली करनी पड़ेगी। सड़क परिवहन मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष २०२२ के दौरान देशभर के टोल प्लाजा से सरकार ने लगभग ३३,८०० करोड़ का कलेक्शन किया है। यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले २१ प्रतिशत ज्यादा था।

बजट मतलब एक प्रकार से चुनावी जुमला - अजीत पवार

मुंबई : राज्य का बजट कल वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में पेश किया। इस बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रतिपक्ष के नेता अजीत पवार ने कहा कि यह बजट मतलब एक प्रकार से चुनावी जुमला है। इस बजट में दूरदृष्टि का अभाव है। अजीत पवार ने कहा कि यह बजट वास्तविकता से दूर है। यह सपनों, शब्दों और नारों से भरा बजट है। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव से पहले की गई घोषणाओं का क्या हुआ? राज्य की आर्थिक परिस्थिति क्या है? राज्य की आय कितनी है, खर्च कितना है? इस पर सरकार ने विचार ही नहीं किया है, ऐसा बजट में दिखाई दे रहा है। बिजली, गैस, जलापूर्ति, निर्माण क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों के लिए कोई ठोस प्रावधान बजट में नहीं किया गया है। सरकार ने बजट पेश करते हुए लोगों को सिर्फ सपनों की दुनिया में ले जाने का काम किया है। बजट में विकास कार्यों के लिए कोई नई निधि नहीं दी गई है। किसानों के लिए बहुत मामूली मदद घोषित की गई है, यह चिंता का विषय है। २०२२-२३ बजट का केवल अब तक ५२ प्रतिशत ही खर्च हुआ है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के गृह जिले में केवल १५.६ प्रतिशत निधि ही खर्च हुई है, बाकी जिलों में बहुत ही कम निधि खर्च हुई है, ऐसा अजीत पवार ने कहा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस सरकार को नौ महीने हो गए, लेकिन कोई विकास दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार की घोषणाओं पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक, स्नातक, कसबा उपचुनाव में भाजपा को झटका लगा है, दशहरा रैली में लोगों द्वारा भाषण छोड़कर जाने और वर्ली की सभा में खाली कुर्सी देखकर भाजपा को लगने लगा है कि 'मिंधे' के साथ सरकार बनाकर गलती की है। भाजपा को फायदा की जगह नुकसान होने लगा है, इसलिए यह बजट केवल चुनावी जुमला है, ऐसा अजीत पवार ने कहा।

मुंबईकरों को सूरज का चटका गर्मी का जोरदार झटका...!

मुंबई : राज्य में लोग फरवरी के आखिरी दिनों से ही तपती गर्मी का अहसास कर रहे हैं। इस भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। आलम यह है कि मुंबईकरों को सूरज का चटका गर्मी का जोरदार झटका दे रहा है। इन सबके बीच मौसम विभाग ने लोगों को और चिंतित करनेवाली जानकारी दी है। विभाग के अधिकारियों ने राज्य में चार से छह डिग्री सेल्सियस तक तापमान में वृद्धि होने का पूर्वानुमान लगाया है। विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि आज और कल सूर्य की किरणें आग उगलेंगी। इसका असर आज मुंबई और कोकण में दिखाई देगा।

उल्लेखनीय है कि मार्च की शुरूआत से मुंबई का पारा चढ़ा हुआ है। भारतीय मौसम विभाग के सांताक्रूज वेधशाला में सोमवार को शहर में अधिकतम तापमान ३९.३ डिग्री सेल्सियस रहा, जो साल २०२३ में सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। इसकी पुनरावृत्ति १० और ११ मार्च को होने की संभावना जताई गई है। बता दें कि इस साल पहली बार सबसे गर्म दिन १८ फरवरी को दर्ज किया गया था। उस समय अधिकतम तापमान ३७.९ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। हालांकि, बीतते हुए मार्च महीने में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। बता दें कि मुंबई में अब तक का अधिकतम तापमान ४१.३ डिग्री सेल्सियस मार्च २०११ में दर्ज किया गया था। फिलहाल, इस साल सोमवार को दर्ज हुआ अधिकतम तापमान दूसरे स्थान पर है। गुरुवार को मुंबई में अधिकतम तापमान ३६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, १० मार्च को अधिकतम तापमान ३८ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान २५ डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बाद अगले दिन भी इसी तरह अधिकतम तापमान बना रहेगा और न्यूनतम तापमान २६ डिग्री सेल्सियस होगा। रविवार १२ मार्च को अधिकतम तापमान ३७ और न्यूनतम तापमान २६ डिग्री सेल्सियस होगा। यह भी अनुमान लगाया गया है कि अगले दो हफ्तों में अधिकतम तापमान ३० से ३५ डिग्री के बीच होगा। आईएमडी के वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र में देर से बहनेवाली हवाएं बढ़ते तापमान का कारण हैं। मुंबई में इस समय जोरदार पूर्वी हवाएं बह रही हैं, जिस कारण मुख्य भू-भाग की ओर बहनेवाली समुद्री हवाओं में विलंब हो रहा है। इस कारण दैनिक तापमान लगातार बढ़ रहा है।

एसपीजी में तैनात ड्राइवर परिवार के साथ नहर में गिरा...

पत्नी और बच्चे सुरक्षित, NDRF कर रही डेड बॉडी की तलाश

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नासिक जिले में गुरुवार (9 मार्च) को एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में एसपीजी में तैनात ड्राइवर अपने परिवार के साथ नहर में बह गया. किसी तरह उसकी पत्नी और बच्चों को बचा लिया गया, लेकिन गणेश को नहीं बचाया जा सका. एनडीआरएफ की टीम गणेश की बॉडी की तलाश कर रही है. जानकारी मिली कि गणेश गीते जुन्नर में अपने परिवार के साथ बाइक पर जा रहा था और तभी बाइक से नियंत्रण खो जाने के कारण वो परिवार के साथ नहर में जा गिरे. स्थानीय लोगों ने किसी तरह महिला और बच्चों को बचा लिया, लेकिन गणेश का कुछ पता नहीं लग सका. गणेश की बॉडी की तलाश की जा रही है.

शिरडी से लौट रहा था परिवार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसपीजी ड्राइवर गणेश गुरुवार की सुबह अपनी पत्नी रूपाली गीता और बेटे-बेटी के साथ साईं बाबा के दर्शन करने शिरडी गए थे. दर्शन करने के बाद लौटते समय गणेश अपनी बाइक पर से नियंत्रण खो बैठे और परिवार समेत नहर में गिर गए. स्थानीय लोगों ने किसी तरह गणेश की पत्नी और बेटा-बेटी को बचा लिया.

बॉडी की तलाश कर रही NDRF की टीम

नहर में पानी तेज बहाव से बह रहा था, इसी वजह से गणेश को बचाना स्थानीय लोगों के लिए मुमकिन नहीं था. हादसे के बाद एनडीआरएफ की टीम पहुंची और गणेश की बॉडी की तलाश अभी भी जारी है. एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया, 'मुझे आवाज आई कि कोई नहर में गिर गया है. मैं दौड़ कर गया और किसी तरह महिला और उसके बच्चों को बचाया. बहाव तेज था, इसलिए गणेश को नहीं बचाया जा सका.'

मुंबई क्राइम ब्रांच ने छात्रों को 'मुन्नाभाई' बनने में मदद करनेवालों को दबोचा

मुंबई : डॉक्टर या इंजीनियर बनाने की चाह में नगर जिले के एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के डायरेक्टर ने अपनी बेटी का एडमिशन विज्ञान संकाय में कराया था लेकिन पिता के ओहदे का लाभ उठाते हुए बेटी ने गड़बड़ी करके 'डॉक्टर/इंजीनियर' बनने का प्रयास किया। उसने अपने पिता के शैक्षणिक संस्थान में काम करनेवाली शिक्षिका व अन्य सहयोगी कर्मचारियों की मदद से गणित के पर्चे में गड़बड़ी की यानी परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हासिल कर लिया लेकिन उसके इस गैरकानूनी कृत्य में मदद करनेवाले लोगों के लालच और गलती से इस गोरखधंधे का पदार्फाश हो गया। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस मामले में डायरेक्टर की बेटी सहित दूसरे छात्रों को 'मुन्नाभाई' बनने में मदद करनेवालों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। बता दें कि ३ मार्च को बारहवीं की गणित की परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र लीक होने का मामला सामने आने के बाद स्कूल प्रशासन में हड़कंप मच गया था। शिवाजी पार्क पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज हुई थी।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 11 मार्च 2023

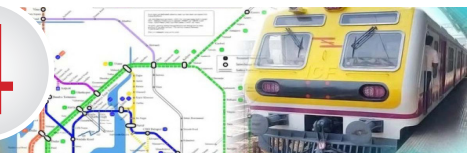

चलती कार का टायर फटने को कोई ईश्वरी प्रकोप नहीं माना जा सकता

निजी बीमा कंपनी को ब्याज सहित मुआवजा देने का निर्देश

मुंबई : तेज गति से चलती कार का टायर फटने को कोई ईश्वरी प्रकोप नहीं माना जा सकता। ऐसी फटकार लगाते हुए मुंबई हाइकोर्ट ने एक निजी बीमा कंपनी को ब्याज सहित मुआवजा देने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनी इस मामले में मुआवजा देने के अपने दायित्व से केवल यह कहकर मुंह नहीं मोड़ सकती कि टायर फटना ईश्वरीय कृत्य है। इससे पहले मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल ने मुआवजे के संबंध में आदेश जारी किया था, जिसके खिलाफ इंश्योरेंस कंपनी ने हाईकोर्ट में अपील स्वरूप याचिका दायर की थी।

कंपनी के मुताबिक, यह हादसा कार का टायर फटने के चलते हुआ है। इस प्रकरण में ड्राइवर की कोई गलती नहीं है। यह पूरी तरह से एक प्राकृतिक हादसा है। लेकिन ट्रिब्यूनल ने आदेश देते समय इस पहलू पर विचार नहीं किया है, वहीं मामले से जुड़े मृतक के परिजनों की ओर से पैरवी करनेवाले वकील ने ट्रिब्यूनल के आदेश को वैध माना और दावा किया कि ट्रिब्यूनल ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद मुआवजे को लेकर आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति एसजी दिघे के सामने बीमा कंपनी की ओर से दायर की गई अपील पर सुनवाई हुई।

मुंबई में नालों को स्थिति बद से बदतर...

मुंबई : इस वर्ष मुंबई में नालों की सफाई का काम अब तक शुरू नहीं हो सका है। मुंबई में ज्यादातर बड़े नाले कचरे से पटे पड़े हैं। हालत यह है कि कचरे से पटे पड़े नालों को दूर से देखकर लंबी सुनसान सड़क का आभास होता है। वास्तविकता यह है कि मुंबई में नालों को स्थिति बद से बदतर हो गई है। राज्य सरकार के प्रशासक मुंबई में नालों की सफाई को लेकर दुर्लक्ष कर रहे हैं। मतलब ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बता दें कि जनवरी में ही नालों की सफाई के लिए प्रक्रिया शुरू की जाती है लेकिन इस बार जब मुंबई में राज्य सरकार का प्रशासक बैठा है, तब भी शहर में नालों की सफाई का काम नहीं किया जा रहा है। नालों में जमा कचरे के चलते मानसून के दौरान जलजमाव होता है। मुंबई के कई इलाके भारी बारिश के दौरान जलमग्न हो जाते हैं। यदि अभी से नालों की सफाई नहीं हुई तो आगामी मानसून में मुंबई की दुर्दशा देखने को मिलेगी। इस साल मुंबई में नाला सफाई के लिए जारी टेंडर को मनपा अब तक फाइनल नहीं कर पाई है। ऐसे में छोटे-बड़े नालों एवं नदियों की सफाई का काम समय पर पूरा होना मुश्किल है। यहां तक कि विधानसभा में मुंबई के नाला-सफाई का मुद्दा भी गूंजा। मुंबई में नाला सफाई में देरी का मुद्दा उठाया। लिखित जवाब में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि नाला सफाई का काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है, लेकिन वे कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए।

मनपा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के रवि राजा ने मनपा प्रशासक पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब तक नाला सफाई का काम शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन मनपा आयुक्त आई.एस. चहल नाला सफाई का टेंडर भी राज्य सरकार से पूछ कर निकाल रहे हैं। इसमें मुख्यमंत्री की अनुमति का इंतजार हो रहा है। मुंबईकरों की जान जोखिम में डालने का काम हो रहा है।

टायर की दुकान में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत, एक अन्य घायल

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर के शिल फाटा इलाके में टायर की एक दुकान में शुक्रवार सुबह भीषण आग लगने से 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग बिजली के भूमिगत तारों से शुरू हुई और धीरे-धीरे पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख अविनाश सावंत ने कहा कि हादसा सुबह साढ़े छह बजे के आसपास हुआ। उन्होंने बताया, 'शिल फाटा इलाके में एक होटल के पास बिजली के भूमिगत तारों में आग लग गई।

मुंबई के जोगेश्वरी के आवासीय परिसर में कार पार्किंग लिफ्ट ढही, टला बड़ा हादसा

जोगेश्वरी : एक चौंकाने वाली घटना में, मुंबई के जोगेश्वरी में एक स्वचालित कार पार्किंग लिफ्ट ढह गई. गनीमत ये रही कि उस वक़्त घटना स्थल पर किसी के आहत होने की खबर नहीं आयी है. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इंटरनेट पर लोग अधिकारियों और बिल्डर पर एफआईआर और साथ ही कड़ी करवाई करने की मांग की जा रही है.

वाहन के अंदर सीएनजी सिलेंडर भी था

मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना जोगेश्वरी पश्चिम में युनिवर्सल क्यूबिकल कॉम्प्लेक्स में हुई है. लिफ्ट पर जिस वाहन को पार्क किया गया था, उसके अंदर एक सीएनजी सिलेंडर भी था जो विस्फोट हो सकता था. बता दे कि, इससे पहले फरवरी में भी, उसी इमारत में एक पैसेंजर लिफ्ट ढह गई थी. ये वीडियो मोहसिन शेख नाम के यूजर ने शेयर करा है. उसने साथ में लिखा, 'फिर चौंकाने वाली घटना यूनिवर्सल क्यूबिकल कॉम्प्लेक्स में हुई जोगेश्वरी पश्चिम स्वचालित कार पार्किंग लिफ्ट ढह गई'.

अधिकारियों पर कड़ी करवाई करने की मांग

ट्विटर पर इस खबर पर काफी लोग रिएक्ट कर रहे है. लोग इस घटना पर पार्किंग लिफ्ट को बनाने वाले बिल्डर और अधिकारियों पर कड़ी करवाई करने की मांग कर रहे है. यूजर कह रह है की इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चहिये. नर्शिमा नाम के एक यूजर ने लिखा, 'सौभाग्य से उसमें कोई बैठा नहीं था वरना यह एक गंभीर घटना होती.

गोवंडी के बैगनवाड़ी से बच्चे का अपहरण किए जाने का मामला...

मुंबई : संतान नहीं होने पर गोवंडी के बैगनवाड़ी से एक दो वर्षीय बच्चे का अपहरण किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से शिवाजी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही उसके चंगुल से बच्चे को मुक्त कराकर उसके माता-पिता के हवाले कर दिया गया है। शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अर्जुन रजाने ने बताया कि गोवंडी के बैगनवाड़ी से दो साल के बच्चे के अपहरण की शिकायत महिला पुलिस उपनिरीक्षक जया सालुंखे ने दर्ज की थी। अज्ञात अपहरणकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने पर निर्भया पथक की पुलिस उपनिरीक्षक रेखा दिघे ने बच्चे की फोटो लेकर इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। उसी दौरान सहायक पुलिस निरीक्षक नवनाथ काले ने घटनास्थल और विभिन्न इलाकों पर लगे सीसीटीवी वैष्ठमरों को खंगाला तो वैष्ठमरे में एक व्यक्ति को बच्चे को लेकर एक ऑटो रिक्शा में बैठकर चेंबूर की तरफ जाते हुए देखा गया। सीसीटीवी वैष्ठमरे की मदद से आरोपी की शिनाख्त की गई तो पता चला कि आरोपी कड़िया का काम करता है।

इसके बाद ही पुलिस द्वारा आरोपी का मोबाइल नंबर और गांव का पता निकाला गया। उसके आधार पर पुलिस उत्तर प्रदेश के लखनऊ पहुंची। शिवाजी नगर पुलिस ने लखनऊ में रेलवे और लोकल पुलिस की मदद से जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और बच्चे को सुरक्षित रेक्सयू कर आरोपी के साथ मुंबई लाकर घर वालों को सौंप दिया। डीसीपी हेमराज राजपूत ने बताया कि आरोपी को कोई संतान नहीं थी इसीलिए उसने बच्चे का अपहरण किया था। फिलहाल, वह चेंबूर के लोखंडे मार्ग इलाके में रहता है लेकिन इससे पहले वह बैगनवाड़ी के रोड नंबर १२ पर रहता था और घर बनाने का काम करता था। पुलिस उसे गिरफ्तार कर आगे की जांच कर रही है।

मेरे रास्ते में नहीं आना, CM पद से जाना पड़ा ना, राज ठाकरे का उद्धव पर निशाना

ठाणे: 'तुम्हारा हिंदुत्व सिर्फ माला जपने के लिए है क्या? ऐक्शन में तो कुछ दिखता नहीं. राज्य भर में मेरे 17 हजार एमएनएस कार्यकताओं के खिलाफ केस दर्ज हुए (ठाकरे सरकार के दौरान मस्जिदों से चोंगा उतारने का आंदोलन). क्या हुआ

आगे? मुख्यमंत्री पद छोड़ के जाना पड़ा ना. इसलिए कहता हूं मेरे रास्ते के बीच में मत आना.' गुरुवार (9 मार्च) को राज ठाकरे ने इस शब्दों में ठाणे में एमएनएस के 17 वें फाउंडेशन डे के मौके पर आयोजित की गई सभा में उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना उन्हें निशाने पर लिया. आगे राज ठाकरे ने बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह को भी आड़े हाथों लिया.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com